गर्भनिरोधक इंजेक्शन (डी.एम.पी.ए.)

सामुदायिक कार्यकर्ता द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

प्र.1. डी.एम.पी.ए. (डी.एम.पी.ए.) क्या है?

डी.एम.पी.ए. एक तिमाही गर्भनिरोधक इंजेक्शन है जो महिला की बांह,कूल्हे में लगाया जाता है। यह अनचाहे गर्भ को रोकने की इच्छुक महिलाओं के लिए एक सरल और सुरक्षित विधि है।

प्र.2. डी.एम.पी.ए कैसे कार्य करता है?

डी.एम.पी.ंए में आप के शरीर में प्राकृतिक रूप से बननेवाले हार्मोन जैसा ही एक हार्मोन प्रॉजैस्टिन होता है। प्रोजैस्टिन अंडाशय से अंडे निकलना रोकता है और गर्भाशय ग्रीवा पर पाए जानेवाले लिसलिसे तत्व को गाढ़ा कर देता है जिससे संभोग के समय योनि में छोड़े गए शुक्राणु गर्भाशय में प्रवेश नहीं कर पाते, साथ यह गर्भा**श**य की अंदरुनी परत को मोटा नहीं होने देता। इसलिए हर तीन महीने पर डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन लगवाकर आप अनचाहे गर्भ से बची रहती हैं। डी.एम.पी.ए. इंजैक्शन गर्भ रोकने में 99.7 प्रतिशत असरदार है।

प्र.3. डी.एम.पी.ए का इस्तेमाल कौन कर सकती हैं?

सामान्यतौर पर सभी महिलाएं डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन को गर्भावस्था रोकने के लिए प्रयोग कर सकती हैं, जैसेः–

- प्रजननकाल की सभी उम्र की महिलाएं
- जिन्हें बच्चे हैं या अभी नहीं है
- जिनका गर्भपात हुआ हो
- जो धूम्रपान करती हों
- जिन्हें खून की कमी, गर्भाशय का ट्यूमर, थाइरॉइड रोग, अथवा ट्यूबरकुलोसिस है
- जो 6 हफ्ते से अधिक समय के बच्चे को स्तनपान करा रही है।

प्र.4. डी.एम.पी.ए का इस्तेमाल कौन नहीं कर सकतीं ?

सामान्यतौर पर सभी महिलाएं डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन को गर्भावस्था रोकने के लिए प्रयोग कर सकती हैं,केवल कुछेक स्थितियों में डी.एम.पी.ए नहीं दे सकते हैं,जेसे कि–

- जो गर्भवती हैं या 6 हफ्ते से कम उम्र के शिशु को स्तनपान करा रही हैं
- जिन्हें 20 वर्ष से अधिक समय से डायबिटीज़ है या डायबिटीज़ से आंखों, गुर्दों या रक्त"िराओं को क्षति पहुंची हो
- जिन्हें हार्टअटैक हुआ है अथवा गंभीर हृदय रोग या लिवर की बीमारी है,पीलिया, रक्त का थक्का बनने,योनि से असामान्य रक्तस्राव की "िकायत है
- जो स्तन कैंसर के लिये उपचार ले रहीं हों या पहले कभी लिया हो

प्र.5. क्या डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन लगवाने पर महिला प्रेगनेन्सी से बची रहेगी?

डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन बहुत ही असरदार तरीका है क्योंकि यह 99.7 प्रतिशत प्रभावशाली है। हर तीन महीने पर इसे लगवाने से प्रेगनेन्सी की संभावना ना के बराबर होती है।

प्र.6. क्या डी.एम.पी.ए के प्रयोग से महिला के शरीर में कोई बदलाव आएगा या उसकी सेहत पर कोई असर पड़ेगा?

डी.एम.पी.ए के प्रयोग से माहवारी में बदलाव आते हैं, जो सेहत के लिए नुकसानदायक नहीं होते। इस इंजेक"ान से महिला का कई गंभीर रोगों से बचाव होता हैं।

जब यह इंजेक"ान असर करता है और प्रेगनेंसी से बचाता है तो महिला की माहवारी में कुछ बदलाव आते हैं। शुरू में माहवारी के बीच में दाग–धब्बे लग सकते हैं या जब–तब खून आ सकता है। फिर ज़्यादातर महिलाओं की माहवारी आना बंद हो जाती है। यह बदलाव सामान्य है और नुकसानदायक नहीं हैं ज्यादातर महिलाओं में डिम्पा की आखिरी सुई के असर के खत्म हो जाने के 5–6 महीने बाद माहवारी शुरू हो जाती है और गर्भधारण की क्षमता पहले जैसी हो जाती है।

महिला का थोड़ा वज़न बढ़ सकता है जैसे साल भर तक डी0एम0पी0ए0 प्रयोग करने पर एक या दो किलो।

इंजेक"ान महिला को अनचाहे गर्भ के साथ–साथ कई जानलेवा रोगों से भी बचाता है जैसे : खून की कमी, पेडू में सूजन, गर्भा"ाय के ट्यूमर (फाइब्रॉइड यूटरस) और बच्चेदानी के कैंसर से।

प्र.7. क्या बच्चे को दूध पिला रही मां के लिए डी.एम.पी.ए. ठीक रहेगा?

हाँ, जब बच्चा डेढ़ महीने या 43 दिन का हो जाए तब महिला डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन लगवा सकती है। इससे माँ के दूध पर कोई असर नहीं पड़ता।

प्र.8. क्या डी.एम.पी.ए. का प्रयोग बंद करने पर महिला माँ बन सकती है?

हाँ, डी.एम.पी.ए. का प्रयोग बंद करने के बाद महिला माँ बन सकती है। बस उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जब वह गर्भवती होना चाहे तो लगभग नौ–दस महीने ही इंजेक्शन लगवाना बंद कर दें। क्योंकि गर्भधारण करने में समय लगता है। उदाहरणतः अगर किसी महिला को तीन साल बाद बच्चा चाहिए तो वह पांच से छः इंजेक्शन ही लगवाए।

प्र.9. महिला डी.एम.पी.ए. लगवाना कब शुरू कर सकती हैं?

जब महिला को पक्का यकीन हो जाए कि वह गर्भवती नहीं है, तब वह डी.एम.पी.ए. लगवाना शुरू कर सकती है।

- माहवारी शुरू होने के पहले से सात दिन के भीतर डी.एम.पी.ए. कभी भी लग सकता है।
- माहवारी के सातवें दिन के बाद भी डी.एम.पी.ए. लगवाया जा सकता है, यदि असुरक्षित संभोग ना हुआ हो। ऐसी स्थिति में डी.एम.पी.ए. लगने के बाद अगले सात दिनों तक या तो संभोग ना करें या कंडोम का इस्तेमाल करें।
- गर्भपात होने के या करवाने के तुरंत बाद या सात दिन के अन्दर लग सकता है।
- यदि महिला स्तनपान करवा रही है तो जब बच्चा डेढ़ महीने या 43 दिन का हो जाए तो डी.एम.पी.ए. लग सकता है।
- यदि महिला किसी कारणवश स्तनपान नहीं करवा रही है तो प्रसव के बाद कभी भी यह इंजेक्शन लगवा सकती है।

प्र.10. महिला डी.एम.पी.ए.का एक इंजेक्शन लगवाकर अगला इंजेक्शन कब लगवाएं?

महिला हर तीन महीने बाद एक इंजेक्शन लगवाए। उसे अगला इंजेक्शन तीन माह बाद ही लगवाने की पूरी चेष्टा करनी चाहिए। वैसे महिला इंजेक्शन तीन महीने से 14 दिन पहले या 28 दिन बाद तक, कभी भी लगवा सकती है।
अगर किसी कारणवश महिला को इंजेक्शन लगवाए चार महीने से भी ज्यादा समय हो जाए तो, जब तक वह अगला इंजेक्शन लगवाने ना जा पाए तब तक दंपति संभोग ना करें या कंडोम का इस्तेमाल करें। चाहें कितनी ही देर क्यों न हो गई हो, महिला को वापस डॉक्टर के पास जरूर जाना चाहिए।
डाक्टर यह जांच कर लेगी कि कहीं वह गर्भवती तो नहीं हो गई है। यदि वह गर्भवती नहीं है तो उसे अगला इंजेक्षन लग सकता है।

प्र.11. अगर डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन से माहवारी रूक जायेगी तो क्या गर्भ बैठ जायेगा?

नहीं, यह इंजेक"ान एक बहुत ही असरदार तरीका है। जब हर तीन महीने पर लगवाया जाए तो इससे गर्भ ठहर जाने की संभावना ना के बराबर होती है। जब महिलाएं डी0एम0पी0ए0 प्रयोग करती हैं तो इंजेक"ान के असर से उनकी माहवारी आना बंद हो जाती है और इसका अर्थ गर्भ ठहरना नहीं होता है।

प्र.12. डी.एम.पी.ए. इंजेक्शन से अगर महिला की माहवारी रूक जाएगी तो कोई नुकसान तो नहीं होगा जैसे गन्दा खून तो नहीं जमा हो जाएगा या आँखों में गर्मी तो नहीं चढ़ जाएगी?

नहीं। इससे ऐसा कुछ नहीं होगा।
महिलाओं के शरीर में हर महीने गर्भा"ाय में खून जमा होता है, ताकि अगर गर्भ बैठ जाये तो बच्चा उस खून से विकसित हो सके। अगर गर्भ नहीं बैठता है तो यह खून माहवारी के रूप में शरीर से बाहर आता है। यह खून गन्दा नहीं होता है क्योंकि इसी खून से गर्भ बच्चा विकसित होता है।
डी0एम0पी0ए0 इंजेक"ान लगवाने पर उसके असर से हर माह महिला के गर्भा"ाय में खून जमा नहीं होता इसलिए उसकी माहवारी बन्द हो जाती है। इंजेक"ान बंद कर देने के कुछ महीने बाद माहवारी फिर से आने लगती है। माहवारी बन्द हो जाना बिल्कुल नुकसानदायक नहीं है क्योंकि जब तक महिला को बच्चा नहीं चाहिए तब तक हर माह गर्भ की तैयारी करके खून को माहवारी के रूप में बहा देने से उसे क्या फायदा होगा ? यह समझना भी जरूरी है कि माहवारी का शरीर की गर्मी से कोई संबंध नहीं है इसलिए डी0एम0पी0ए0 इंजेक"ान से माहवारी बन्द हो जाने से आँखों पर कोई असर नहीं पड़ता।

प्र.13. डी.एम.पी.ए. तीन ही महीने तक प्रभावी क्यों रहता है, 3 बरस या 5बरस तक क्यों नहीं?

डी.एम.पी.ए. तीन ही महीने तक प्रभावी इसलिए होता है क्योंकि स्त्री का शरीर इतने समय में डी.एम.पी.ए. का पूरा इस्तेमाल कर लेता है। डी.एम.पी.ए. का इंजेक्शन मांसपेशी में दवा जमा कर देता है जो 3 महीने तक धीरे–धीरे खून में घुलती रहती है। तीन महीने बाद डी.एम.पी.ए. खत्म हो जाता है और स्त्री को गर्भधारण से सुरक्षा नहीं मिल पाती।

प्र.14. क्या डी.एम.पी.ए. के इस्तेमाल से शरीर में सूजन आती है?

नहीं।

प्र.15. क्या डी.एम.पी.ए. के इस्तेमाल से सिर चकराता है या कमजोरी आती है?

डी.एम.पी.ए. के इस्तेमाल से कमजोरी तो नहीं आती लेकिन कुछ स्त्रियों को सिरदर्द और चक्कर आने की समस्या हो सकती है। इन समस्याओं से स्वास्थ्य को नुकसान नहीं होता, अक्सर डी.एम.पी.ए. का इस्तेमाल शुरू करने के 3से 6 महीने में यह परेशानियां खत्म हो जाती हैं।

प्र.16. डी.एम.पी.ए. इन्जेक्शन लगवाने के बाद उस स्थान को रगड़ना या सेका क्यों नहीं जाना चहिए?

डी.एम.पी.ए. लगवाने के बाद उस स्थान को रगड़ना या सेका इसलिये नहीं चहिए,क्योंकि इससे इंजेक"ान का असर जल्दी समाप्त हो जाता है

प्र.17. डी.एम.पी.ए इंजेक्शन लगवाने के बाद क्लीनिक/अस्पताल कब आना चाहिए?

- जब अगला इंजेक्षन लगवाने का समय हो जाए
- विधि सम्बन्धी कोई समस्या या प्रष्न हो।

प्र.18. डी.एम.पी.ए इंजेक्शन कहां मिलेगा?

यह इंजेक्शन सभी प्राइवेट अस्पतालों में और दवा की दुकानें में मिलता है

प्र.19. महिला डी.एम.पी.ए कब तक लगवा सकती है?

जब तक महिला बच्चे ना चाहे तब तक डी.एम.पी.ए लगवा सकती है। वो जितने इंजेक"ान लगवाना चाहे उतने लगवा सकती है।